दिल्ली में हुई बटमारी (हाईवे सवरी) और चोरियों में जान और माल की हानि

1843. **श्री हय राम शास्त्र** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1979 से जनवरी, 1980 तक दिल्ली में हुई बटमारियों और चोरियों की संख्या क्या है और उनमें जान और माल की कितनी कितनी हानि हुई है ; और

(ख) इस संबंध में अब तक कितने व्यक्ति गिरफ्तार किये गये है और उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) दिल्ली में 1 जनवरी, 1979 से 31 जनवरी, 1980 तक की अवधि में बिना किसी की जान लिये बटमारी के 126 मामले हुए थे।

मार्गों में चोरी का अलग से रिकार्ड नही रखा गया है उसी अवधि में दिल्ली में कुल 27244 चोरिया की गई थी। बटमारी के 126 मामलों में 7,65,902 रु. की संपत्ति अन्तर्ग्रस्त थी और चोरी के 27244 मामलों में 9,20,76,630 रुपये की संपत्ति अन्तर्ग्रस्त थी।

(ख) बटमारी के मामलों मे 91 व्यक्ति गिरफ्तार किये गये हैं। 43 व्यक्तियों का चालान किया गया है और उन पर विचारण किया जा रहा है, 10 को मुक्त किया गया है और 38 के के विरुद्ध मामलों की जांच होनी है।

चोरी के मामलों में 2,959 व्यक्ति गिरफ्तार किये गये हैं। 1793 का चालान किया गया है। उनमें से 178 को सजा दी गई है, 36 को दोषमुक्त किया गया है और 1579 के विरुद्ध न्यायालयों में विचारण होना है। 976 के विरुद्ध मामलों की जांच होनी है और 190 व्यक्ति मुक्त किये गये हैं।

Crisis in Handloom Industry in Kerala

1844. SHRI G. M. BANATWALLA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the serious crisis in the handloom industry in Kerala resulting from stoppage of production in this sector due to accumulation of stock,

(b) if so, whether Government propose to take immediate steps to make yarn available at rates prevailing before October, 1978 and to allow special rebate of 20 per cent from 15th March to 30th April; and

(c) other steps taken or proposed to be taken to avert the crisis?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI CHARANJIT CHANANA): (a) According to the Government of Kerala, the primary cooperative societies hold stocks worth Rs. 341 lakhs, the apex society Rs. 254 lakhs and the handloom Development corporation Rs. 60 lakhs totalling Rs. 655 lakhs. They have not reported any stoppage of production in the handloom sector.

(b) and (c) At present Indian Cotton Mills Federation are making allotments of yarn to various State Government agencies including Kerala as per the Indents forwarded by the Development Commissioner Handlooms at market prices directly from the mills. The quantity proposed for Kerala under the existing arrangement is 2075 bales per month. The Government are further examining measures to make this quantity available at reasonable prices. Govern-